

FIELD EXPERIENCE

HD Surendra¹

Direct smear microscopy for Acid Fast Bacilli is the primary diagnostic tool for the detection and control of Tuberculosis (TB). The Ziehl Neelsen staining performed directly on pulmonary specimens is an effective method to detect pulmonary TB cases, to assess response to the treatment and to monitor the cure rates.

In India, Revised National Tuberculosis Control Programme (RNTCP) has a 10 days course for the laboratory technicians. This training programme is intended to guide the laboratory technician by demonstrating appropriate technique and standard methods, since most TB patients are pulmonary cases. Sputum microscopy is the most available and reliable tool for TB diagnosis. It is inexpensive, rapid and simple to perform. In order to maintain a good quality of diagnosis, a well-conducted training is necessary.

I would like to express my experience of the visit to Port Blair (Andaman & Nicobar Islands). The main purpose of the visit was to participate as facilitator and trainer in the RNTCP Sensitization programme for the Medical Officers and Para medical staff of Andaman and Nicobar Health Services, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands. The team consisted of Sri N Srikantaramu (Statistics Section), Sri Joseph Zacharia (Control Section), Sri S Ravindra (X- ray Section), Sri HD Surendra (Bacteriology Section) and Sri K. Mohan (Training Section). Dr. VK Chadha - Senior Epidemiologist, Dr. B Mahadev - Chief Medical Officer, Dr. Preetish S Vaidyanathan - Senior Medical Officer and Mr. K P

Unnikrishnan - Chief Statistical Officer joined us later. We sailed to Andaman Islands from Chennai on 12th April 2002 and reached the Andaman's capital Port Blair on 16th April 2002 at 6.30 p.m. The journey was a memorable experience to all of us.

The training programme was started on 17th April 2002 with inauguration by Dr. (Mrs.) Ali, Director of Health Services. The training, both theory and practical, was conducted for 30 Lab Technicians in G.B. Pant General Hospital, Port Blair.

Pre-tests in theory and smear microscopy practical were conducted on the first day. From day two, discussions on RNTCP Modules were held in the forenoon followed by practicals in the afternoon. Each participant was made to examine 10 graded slides (supplied by NTI) per day. Sulphuric acid, distilled water, glasswares, weighing balance, filter paper, storage bottles, etc., were supplied by G.B Pant Hospital. By conducting pre-test and post-test in both theory and practical, we could assess the performance of Sensitization Programme. It was heartening to know that the technicians' performance improved by 60% in both theory and practicals.

It is hoped that their training would be put to good use for success of RNTCP. We will now keenly watch their performance, which will also have other parameters included under field conditions, such as provision of proper facilities at the microscopy centers, regular supervision by DTO, MO-TCs and STLS etc.

* Lab. Technician, National Tuberculosis Institute, No. 8, Bellary Road, Bangalore - 560 003.

क्षेत्र अनुभव एच डी सुरेन्द्र*

क्षय रोग (टी बी) के संसूचन तथा नियंत्रण के लिए अम्ल उपवास दण्डाणु के लिए प्रत्यक्ष लेप मैक्रोस्कोपी प्राथमिक निदान साधन है। फुफुसीय नमूनों पर सीधा सम्पन्न जैहल नीलसन अभिरंजन, फुफुसीय क्षयरोगियों के संसूचन, चिकित्सा के प्रति अनुक्रिया का निर्धारण तथा चिकित्सा दरों के मानीटरन के लिए प्रभावी विधा है।

भारत में, संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आर एन टी सी पी) प्रयोगशाला तकनीशियनों के लिए एक 10 दिवसीय पाठ्यक्रम चलाता है। चूँकि अधिकांश क्षयरोगी फुफुसीय रोगी हैं, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रयोगशाला तकनीशियनों को उचित तकनीक एवं मानक पद्धतियों के प्रदर्शन के द्वारा मार्गदर्शन प्रदान करना है। क्षय रोग निदान के लिए अत्यंत सुलभ एवं विश्वसनीय साधन कफ सूक्ष्मदर्शिकी है। वह सस्ती एवं संचालन में शीघ्र व सरल है। निदान की उत्तम गुणता को बनाए रखने के लिए, उत्तम दर्जे का प्रशिक्षण आवश्यक है।

पोर्ट ब्लेयर (अण्डमान व निकोबार द्वीप) की अपनी यात्रा का अनुभव मैं बताना चाहता हूँ। अण्डमान व निकोबार स्वास्थ्य सोवाएँ, पोर्ट ब्लेयर, अण्डमान व निकोबार द्वीपों के स्वास्थ्य अधिकारियों तथा अनुस्वास्थ्य स्टाफ के लिए आयोजित आर एन टी सी पी संवेदीकरण कार्यक्रम में प्रशिक्षक तथा मददगार के रूप में भाग लेना मेरी भेंट का प्रधान उद्देश्य था। इस टीम में श्री एन. श्रीकण्ठरामु (सांख्यिकीय अनुभाग), श्री जोसफ जकारिया (नियंत्रण अनुभाग), श्री एस रवीन्द्र (एक्स-किरण अनुभाग), श्री एच.डी. सुरेन्द्र (जीवाणुविज्ञान अनुभाग) तथा श्री मोहन (प्रशिक्षण अनुभाग) शामिल थे। डॉ वी. के छट्टा-वरिष्ठ जानपदिक रोगविज्ञानी, डॉ बी महदेव-मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ प्रीतिश एस वैद्यनाथन-वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी एवं श्री के.पी. उन्नीकृष्णन-मुख्य सांख्यिकीय अधिकारी बाद में टीम में शामिल

हुए। हम चेन्नै से 12 अप्रैल 2003 को समुद्र मार्ग से रवाना हुए तथा 16 अप्रैल 2002 को 6.30 बजे शाम अण्डमान की राजधानी पोर्ट ब्लेयर पहुँचे। हम सभी के लिए यह यात्रा स्मरणीय रही।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारंभ 17 अप्रैल 2002 को डॉ (श्रीमती) अली, निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ के उद्घाटन से हुआ। दोनों सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण का संचालन जी.बी. पंत जनरल अस्पताल, पोर्ट ब्लेयर में 30 प्रयोगशाला तकनीशियनों ने किया।

पहले दिन सिद्धांत में पूर्व-परीक्षण तथा लेप सूक्ष्मदर्शिकी प्रयोगों को सम्पन्न किया गया। दूसरे दिन से, पूर्वाह्न आर एन टी सी पी माड्यूलों पर चर्चा की गई तथा अपराह्न में प्रयोगों को संचालित किया गया। प्रत्येक प्रतिभागी प्रति दिन 10 श्रेणीकृत स्लाइडों (एन टी आई द्वारा आपूरित) का परीक्षण करता था। सल्फ्युरिक अम्ल, आसुत जल, काच भाण्ड, तराजू, निस्यंदक कागज़, संग्रहक बोतल आदि जी.बी. पंत अस्पताल द्वारा आपूरित किए गए। दोनों सिद्धांत तथा प्रयोग में पूर्व-परीक्षण तथा उत्तर-परीक्षण सम्पन्न करने के द्वारा हम संवेदीकरण कार्यक्रम के निष्पादन का मूल्यांकन कर सके। तकनीशियनों का निष्पादन दोनों सिद्धांत तथा प्रयोग में 60% से सुधरा जो खुशी की बात थी।

आशा की जाती है कि आर एन टी सी पी की सफलता के लिए उनके प्रशिक्षण का भरपूर उपयोग किया जाएगा। अब हम उनके निष्पादन पर ध्यान से गौर करेंगे, जिसमें क्षेत्र स्थितियों के अंतर्गत अन्य तत्व भी शामिल होंगे, जैसे सूक्ष्मदर्शिकी केन्द्रों में उचित सुविधाओं का प्रावधान, डी टी ओ, एम ओ-टी सी तथा एस टी एल एस आदि द्वारा नियमित अधीक्षण।